साप्ताहिक
नर्मदा समय
Website: www.narmadasamay.com
Email: narmadasamay@gmail.com
Title Code:-MPHIN/36648
संपादक-प्रताप सिंह वर्मा
वर्षः 01, अंकः 20
इटारसी, सोमवार 24 अप्रैल से 30 अप्रैल 2023
पृष्ठ-04
मूल्यः 05 रुपए

शिवराज सरकार ने भ्रष्टाचार, मिलावट, घोटाले का प्रदेश बना दिया हैं मध्य प्रदेश को: कमलनाथ

दाल में कुछ काला नहीं पूरी दाल ही काली हैं

नर्मदा समय/प्रदीप गुप्ता

सिवनी मालवा। शनिवार को जय स्तंभ चौक पर आम सभा में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शिवराज सरकार पर जमकर साधा निशाना। भगवान परशुराम की जय से कमलनाथ ने भाषण की शुरुआत की। कमलनाथ सुबह करीब 10 बजे शासकीय कुसुम महाविद्यालय के हेलीपेड पर पहुंचे। यहां से राम जानकी, राधाकृष्ण मंदिर पहुंचे।

उन्होंने भगवान परशुराम का पूजन अर्चन किया गया। इसके बाद उन्होंने सेक्टर एवं मंडलम की बैठक ली। उन्होंने मीडिया कर्मियों से चर्चा की। सिवनी मालवा में याद आते हैं जवानी के दिन उन्होंने कहा कि ये नर्मदा मैया का नगर है, यहां 45 साल पहले मैं हजारी लाल रघुवंशी के साथियों आया था। सिवनी मालवा और हजारी लाल रघुवंशी की यहां जोड़ी थी, यहां आकर मुझे अपनी जवानी याद आती है।

दिसंबर 2018 में कांगेस की सरकार बनी, उससे पहले 15 साल तक भाजपा का शासन था। प्रदेश सरकार पर लगाए कमलनाथ ने आरोप लगाया कि शिवराज जी ने मुझे ऐसा प्रदेश सौंपा जो किसानों की आत्महत्या में नंबर 1, बेरोजगारी में नंबर 1, हमारी मतों बहनों पर अत्याचार में नंबर 1 कौन सी चुनौती मेरे सामने नहीं थी, मैंने एक शुरुआत की किसानों के साथ न्याय हो, कर्जा माफ किया। बिजली का बिल माफ किया, पर मुझे इस बात का दुःख है कि जो खुशी हम किसानों को देना चाहते थे, वो शिवराज जी ने छीन ली।

कार्यकर्ताओं ने जताया विरोध पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आम सभा को संबोधित करते हुए कई घोषणा भी की सबसे पहली प्राथमिकता लाडली लक्ष्मी बहना को 15 सो रुपए देंगे और रसोई गैस 500 में देने का वादा किया एवं 100 में 100 यूनिट बिजली का भी भरोसा दिया, पुरानी पेंशन बहाली भी लागू होगी, किसानों को समय पर खेती के लिए बिजली पानी की व्यवस्था की जाएगी, किसानों का कर्जा माफ़ किया जायेगा। ऐसी ही अनेक घोषणाओं को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने की एवं आम सभा को संबोधित किया के सिवनी मालवा पहुंचने पर पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने ढोल ढमाके के साथ उनका स्वागत किया। भारी भीड़ के चलते पुलिस को मशक्कत करना पड़ी।

जनसभा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी गुटबाजी दिखी। मंच से ही जिलाध्यक्ष कांग्रेस नेताओं को बोलते दिखे कि अपने समर्थकों को चुप कराओ। मंच पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दादा हजारी लाल रघुवंशी की फोटो नहीं होने पर भी कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। कमलनाथ ने कहा कि पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट है । सुबह पेपर उठाओ हर तरफ बढ़ रही घटनाओं की जानकारी मिल जाएगी। जिले में विकास नाम का नहीं किसान बिजली पानी के लिए परेशान है। ज़ब भाजपा सरकार ने विकास यात्रा निकाली गई तो 160 विधानसभा क्षेत्र में विकास यात्रा का विरोध हुआ। सी एम हेल्प लाइन में भी भ्रष्टाचार हो रहा है। विधानसभा चुनाव को 5 महीने बचे हैं जनता इस बार सत्य का साथ देगी। अभी चारों तरफ शासकीय कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और तो और कुछ दिनों पहले वकीलों ने भी हड़ताल की थी। यहां तो दाल में थोड़ा काला नहीं पूरी दाल ही काली हैं और चुनाव को पांच माह बचे हैं प्रतिदिन नई घोषणा करते हैं। और अभी उन्होंने लाडली बहना योजना का प्रारंभ किया है जिससे उनको अब जब चुनाव होने के पांच महीने बचे हैं तब बहनों की याद आई। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय दुबे काकूभाई, कांग्रेस जिलाध्यक्ष पुष्पराज पटेल, राजकुमार केलू उपाध्याय मौजूद रहे।

फ्लाईऐश के भारी वाहनों का प्रवेश अब प्रात : 8 बजे से रात्रि 11 बजे तक रहेगा पूर्णता : प्रतिबंधित

प्रदीप गुप्ता/ नर्मदापुरम। फ्लाईऐश के भारी वाहन अनुभाग नर्मदापुरम के मुख्य मार्गो से होकर तेज गति से गुजरते है, जिससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है, आमजन में भी असंतोष व्याप्त है। उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए पूर्व में जिला दंडाधिकारी नर्मदापुरम नीरज कुमार सिंह ने फ्लाईऐश के भारी वाहनों का प्रवेश प्रातः 6 बजे से रात्रि 11 बजे तक पूर्णताः प्रतिबंधित किया गया था। इस संबंध में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण हरदा के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने प्रतिबंधित समय में छूट का समय बढ़ाने का आवेदन प्रस्तुत किया है। जिला दंडाधिकारी ने पूर्व में जारी आदेश में आंशिक संशोधन किया है, जिसके अनुसार अब फ्लाईऐश के भारी वाहनों का प्रवेश अब प्रातः 8 बजे से रात्रि 11 बजे तक प्रतिबंधित किया गया है। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति/संगठन पर भारतीय दंड विधान की धारा 188 के तहत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

नदी में नहाने गए 3 दोस्तो की डूबने से मौत,गाँव मे छाई शोक की लहर

कुलदीप राजपूत/हरदा। जिले की तहसील हंडिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम विछोला के 3 दोस्त रविवार को दोपहर मैं ग्राम की नही में ही नहाने गए थे जहाँ उनकी पानी में डूबने से मौत हो गई। इसकी सूचना हंडिया पुलिस को दी गई तो पुलिस मौके पर पहुंची तीनों के शव को नदी से बाहर निकाला गया जानकारी के अनुसार बताया गया कि निखिल पिता सोहन राजपूत चदन पिता गोविंद राजपूत, मोहित पिता चेनसिग विश्वकर्मा ये तो दोस्त थे जिनकी उम्र 17 से 20 वर्ष के लगभग है वही 12 वी कक्षा में पढ़ते थे। जो कि रविवार को नदी नहाने गए थे जहां डूबने से 3 की मौत हो गई पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा गया। तीनों की मौत के चलते परिवारों सदस्यों के रो रो कर बुरा हाल है ग्राम में शोक की लहर छा गई।

म.प्र. के पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता दादा मधुकर राव हर्णे हुए पंचतत्व में विलीन, अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया

प्रदीप गुप्ता/नर्मदापुरम। भाजपा के वरिष्ठ नेता व राज्य के पूर्व मंत्री मधुकर राव हर्णे का शुक्रवार रात निधन हो गया। स्वर्गीय हर्णे राष्ट्रीय स्वयं संघ के स्वंयसेवक रहे और आजाद भारत में लगे आपातकाल के विरोध में लोकतंत्र सैनानी (मीसाबंदी) के रूप में कार्य किया। वे नर्मदापुरम विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी से तीन बार विधायक एवं एक बार राज्यमंत्री रहे। हर्णे के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक छा गया। दादा का पार्थिव शरीर उनके निवास मोरछली चौक से भाजपा जिला कार्यालय में लाया गया। जहाँ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश एवं जिले से आए हुए मंत्री, विधायक, प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं सहित जिले के समाजसेवी गणमान्य नागरिकों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये।

सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम की पालकी यात्रा निकाली गई

मंदिर में हुआ अभिषेक, अक्षय तृतीया पर हुआ पूजन, वाहन रैली निकाली गई

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। जिला सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित भगवान परशुराम जी के प्रगटोत्सव समारोह के तहत शनिवार 22 अप्रैल को नगर शाखा द्वारा पालकी यात्रा निकाली गई। दूसरी लाइन परशुराम भवन से प्रारंभ यात्रा शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए परशुराम भवन में संपन्न हुई। इस अवसर पर भगवान परशुराम जी की सुंदर मूर्ति को पालकी में सजाया गया था। हाथों में डमरू और मंजीरे लेकर विप्र युवाओं एवं विद्वानों ने जय-जय परशुराम के जयघोष लगाए। ढोल ढमाकों की धुन पर युवाओं ने जमकर नृत्य भी किया। पालकी यात्रा से पूर्व अक्षय तृतीया के अवसर परशुराम भवन में भगवान परशुराम जी का पूजन अभिषेक किया गया। पंडित प्रभात शर्मा के नेतृत्व में विधि विधान से भगवान का पूजन अर्चन किया गया।

परशुराम प्रगटोत्सव के तहत निकली वाहन रैली

विप्र समाज के आराध्य भगवान राम के अवतार परशुराम जी के प्रगटोत्सव के तहत रविवार को जिला सर्व ब्राह्मण समाज ने वाहन रैली निकाली। शाम 4 बजे सीपीई खेड़ापति हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई वाहन रैली ओव्हर ब्रिज, रेलवे स्टेशन रोड, न्यास कालोनी, मालवीयगंज, गांधीनगर समेत मुख्य मार्गो से होते हुए न्यूयार्ड पहुंची, यहां वाहन रैली का समापन किया गया। जिलाध्यक्ष पं. जितेन्द्र ओझा एवं महिला मंडल अध्यक्ष प्रीति दुबे के मार्गदर्शन में समाज के युवाओं, महिलाओं, युवतियों एवं बच्चों ने वाहन रैली में हिस्सा लिया। महिलाओं ने खासतौर पर लाल रंग की पारंपरिक साड़ी एवं साफा पहना था, वहीं युवाओं ने हाथों में फरशा एवं धर्मध्वजा लेकर जय-जय परशुराम के जयकारे लगाए।

जगह-जगह वाहन रैली का स्वागत किया गया। डीजे पर भगवान परशुराम के गीतों की धुन पर युवाओं ने जमकर नृत्य किया। शंख-घंटे बजाकर भारतीय संस्कृति और धर्म की रक्षा का संदेश ब्राह्मण समाज ने दिया।

रविवार शाम समारोह के तहत परशुराम भवन में आनंद मेले का आयोजन किया गया। 24 अप्रैल सोमवार को शाम 4 बजे भगवान परशुराम जी की शोभायात्रा निकाली जाएगी। रात 8 बजे फ्रेन्डस स्कूल परिसर में विप्र शिरोमणी सम्मान का आयोजन किया गया है। 24 अप्रैल को होने वाली शोभायात्रा में इटारसी के साथ ही आसपास के ग्रामीण अंचलों से भी विप्र परिवार शोभायात्रा में सम्मलित होंगे। मुख्य समारोह को लेकर युद्धस्तर पर तैयारियां की गई हैं।

मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह/निकाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह संपन्न, परिणय सूत्र में बंधें 94 जोड़े

कुलदीप सिंह/कुरवाई। शनिवार को मेला ग्राउंड पर मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत एक साथ 94 जोड़े परिणय सूत्र में बंधें। जिनमें 71 जोड़ों के विवाह एवं 23 जोड़ों के निकाह संपन्न किये गए। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा सामूहिक विवाह आयोजित किया गया। योजना अंतर्गत 49000 का चेक प्रत्येक जोड़ें को प्रदान किया गया। क्षेत्रीय विधायक द्वारा प्रत्येक वधु को साड़ी /सलवार सूट भेंट की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रुप में क्षेत्रीय विधायक हरि सिंह सप्रे, जनपद अध्यक्ष ममता महाराज सिंह डाबरी, जनपद उपाध्यक्ष सोनिका हरिनेश यादव, जिला पंचायत सदस्य मोहर सिंह सिंह दांगी एवं रानी रामप्रसाद अहिरवार, जनपद सदस्यग-गण, नगरीय निकाय के पार्षद, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। यह आयोजन मेला ग्राउंड पर शाम 4 से आयोजित किया गया ।

बैंक का एटीएम तोड़ने वाला निकला बैंक का कर्मचारी, पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों को पकड़ा

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। शहर की 11 वी लाइन स्थित आईडीबीआई बैंक के एटीएम मशीन को तोड़कर चोरी करने का भरपूर प्रयास किया था।लेकिन सड़क पर लोग का आवागमन होने से चोर चोरी की घटना को अंजाम देने में नाकाम रहे। घटना 15, 16 अप्रैल की दारम्यानी रात की है।पुलिस ने इस मामले में बैंक के कर्मचारी और एक अन्य युवक को सीसीटीवी कैमरे की मदद गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले को गभीरता से लेते हुये दोनो चोरों को तीन दिन में गिरफ्तार कर लिया है।

इस सबंध में टीआई रामस्नेही चौहान ने बताया कि रवि पिता नारायण कहार उम 32 वर्ष ट्रेक्टर स्क्रीम पुरानी इटारसी निवासी है।जो वर्तमान में आईडीबीआई बैंक का कर्मचारी था। इसके साथ ही रवि का परिचित राहुल पिता दिनेश कहार है।

इन दोनों के द्वारा 15 एवं 16 अप्रैल की दारम्यानी रात में 11 वी लाइन स्थित एटीएम

तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया जा रहा था। उसी दौरान सड़क पर लोगो की आवाजाही और पुलिस बेन के सायरन की आवाज सुनकर दोनो आरोपी घटना को अंजाम देने में नाकाम हुये।बैंक मैनेजर कमल वायकर की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस आरोपियो तक पहुँची और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्यवाही में एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान टीआई रामस्नेही चौहान के मार्गदर्शन में एक टीम चोरों को पकड़ने में गठित की गई।जिसमें एएसआई संजय रघुवंशी के द्वारा टीम की कमान सभाली गई। आरोपियो को पकड़ने में प्रधान आरक्षक शेख अबरार, हरीश डिगरसे आरक्षक, आकाश बारस्कर आरक्षक शामिल थे।

हमारी पृथ्वी की सुन्दरता पशु पंछी एंव पेड़ पौधों से है सभी की देखभाल करना हमारी नैतिक जबाबदारी है : नीरजा फौजदार

नर्मदा समय/प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम। वैश्य महासम्मैलन मध्य प्रदेश की नगर शाखा ने सभी सदस्यों को सकोरे प्रदान किये ताकि सब अपने अपने घर की छत पर सकोरें में पानी ओर दाना रखकर इस पृथ्वी की सुन्दरता बचाते में अपना सहयोग दे सके।

आयोजन होटल मीनाक्षी रसूलिया में किया गया। साथ में सब अपने घर के सामने पशु की प्यास बुझाने के लिये बड़ी बड़ी पानी की टंकी या हौद भी रखेगी, ताकि सड़क पर घूम रहै मावैशी को जल मिल सके। आयोजन में संभ्भगीय महिला अध्यक्ष नीरजा फौजदार, संम्भागीय उपाध्यक्ष भारती अग्रवाल , जिला अध्यक्ष उषा अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष माया अग्रवाल, नगर अध्यक्ष शारदा जैन नगर सचिव रचना मस्ते, अनीता अरुण जैन, जयंती जैन, सुषमा गुप्ता, ज्योति अग्रवाल, सुनीता आशीष अग्रवाल, नमिता अग्रवाल, शिखा खण्ड़ेलवाल, नेहा अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल दीदी, जागृति अग्रवाल आदि उपस्थित थे। सभी शपथ भी ली कि हम सब मिलकर अपनी नैतिक जबाबदारी का निर्वाह करेगें। अंत में भारती अग्रवाल, रचना मस्ते ने आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान की घोषणा ने लिया मूर्तरूप

नर्मदापुरम।प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की थी कि शासकीय कला वाणिज्य एवं विज्ञान स्नातक महाविद्यालय सुखतवा का नामकरण भगवान बिरसा मुण्डा शासकीय महाविद्यालय सुखतवा किया जाएगा। मुख्यमंत्री की उक्त घोषणा ने मूर्तरूप ले लिया है। कलेक्टर नर्मदापुरम नीरज कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया है कि उक्ताशय की अधिसूचना शीघ्र ही मध्यप्रदेश राजपत्र में प्रकाशित हो जाएगी।

हत्या पर उठ रहे कई सवाल

उर प्रदेश में गैंगस्टर अतीक अहमद और अशरफ अहमद की हत्या के बाद उस अध्याय को समाप्त माना जा सकता है, जिसकी शुरुआत प्रयागराज में दिन-दहाड़े राजू पाल हत्याकांड के सरकारी गवाह उमेश पाल की हत्या से हुई थी। उमेश पाल को जिस तरह से अतीक अहमद के एक बेटे असद और उसके लोगों ने मौत के घाट उतारा, उसे उर प्रदेश पुलिस ने ठीक ही अपने लिए एक चुनौती माना। यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के सवालों के जवाब में खुद मुयमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दृढ़ संकल्प के साथ कहा था कि हम माफिया को मिट्टी में मिला देंगे। इसके बाद से तय माना जा रहा था कि पुलिस और प्रशासन की ओर से ऐसी कार्रवाई होगी, जिसे प्रदेश में कानूनव्यवस्था की स्थिति के लिहाज से एक बड़े संदेश के रूप में लिया जा सकेगा। और, जिस तरह से असद और उसका सहयोगी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया, उससे यह संदेश तो जरूर गया कि यूपी में पुलिस और प्रशासन को चुनौती देकर बचे रहना नामुमकिन सा है। शायद यही संदेश यूपी सरकार देना भी चाहती थी। लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। इस मामले में पुलिस एनकाउंटर की सचाई से जुड़े पहलुओं की अभी जांच चल रही है, इसलिए उस बारे में कोई सवाल न किया जाए तब भी इतना तो है ही कि उसे (असद को) कानून के दायरे में नहीं लाया जा सका। वहीं, शनिवार रात हुई अतीक और अशरफ की हत्या सौ फीसदी पुलिस की नाकामी कही जाएगी। दोनों की हत्या उस वक्त हुई, जब पुलिस उन्हें मेडिकल चेकअप के लिए हॉस्पिटल लेकर जा रही थी। पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में तीन लोग आए और बहुत करीब से अतीक और अशरफ पर गोलियां चलाईं, जिसमें दोनों की जान चली गई। यह पुलिस की बड़ी असफलता है। वैसे, मुयमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तुरंत ही इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। आशा है कि इस जांच से अतीक और अशरफ की सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक का पता चलेगा और अगर कोई दोषी पाया जाता है तो उसे सजा भी मिलेगी। एक और बात है कि अतीक और अशरफ की हत्या पर साा पक्ष के कुछ नेताओं के बयान से गलत संदेश जा रहा है। उनकी बातों से लग रहा है कि वे इस हत्या को अपराधियों को चाहे जैसे भी दंड मिला वाली बात से जोड़कर देख रहे हैं। इससे विपक्षी दलों को भी इस हत्याकांड को तूल देने का मौका मिल गया है। या यह सही नहीं होता कि कानूनी प्रक्रिया के तहत अतीक और उसके भाई अशरफ को सजा मिलती? अगर ऐसा होता तो लोगों की न्याय व्यवस्था पर आस्था और बढ़ती !

क्यों मनाया जाता है पृथ्वी दिवस ? क्या है इस साल की थीम

डॉ प्रताप सिंह वर्मा

पिछले 50 सालों से हमारे पर्यावरण के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 22 अप्रैल को दुनिया भर में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को एक साथ आने के लिए प्रोत्साहित करना है। हमारे बदलते पर्यावरण की गंभीर चिंताओं को लेकर अध्ययन किए जा रहे हैं। आज के

इस दौर में प्रमुख वैज्ञानिक, पर्यावरणविद, सामाजिक कार्यकर्ता और युवा जलवायु को लेकर चिंतित हैं।

पृथ्वी दिवस पर लोग पर्यावरण को हुए नुकसान को दूर करने के लिए स्थायी तरीकों को अपनाने का संकल्प लेते हैं। बढ़ते तापमान और प्राकृतिक संसाधनों की कमी के साथ ग्लोबल वार्मिंग एक गंभीर मुद्दा है। वनों को काटे जाने और जानवरों, पक्षियों और कीड़ों की प्रजातियां लुप्तप्राय और बदतर हो रही हैं, दुनिया से विलुप्त हो रही हैं, यह पर्यावरण की रक्षा में निवेश शुरू करने का सही समय है।

अनेक समस्याएं विद्यमान हैं जैसे बढ़ती जनसंख्या, मृदा अपरदन, बदलती जलवायु, वनों को काटा जाना और जल, वायु प्रदूषण आदि। पर्यावरण संरक्षण के लिए यह अहम दिन है।

हर साल 16 से 22 अप्रैल तक पृथ्वी सप्ताह मनाया जाता है। यह सप्ताह लोगों को पृथ्वी दिवस, जलवायु परिवर्तन और इसके खिलाफ कदम उठाने की के बारे में शिक्षित करने के लिए समर्पित है। पृथ्वी सप्ताह कदम उठाने और ग्रह की रक्षा के बारे में बातचीत शुरू करने का एक शानदार अवसर है।

क्या है विश्व पृथ्वी दिवस 2023 : की थीम?

पृथ्वी दिवस 2023 की थीम हमारे ग्रह में निवेश करें है। पृथ्वी दिवस वर्तमान में नवीकरणीय ऊर्जा और ग्लोबल वार्मिंग के बारे में जागरूकता बढ़ाता है।

क्या है विश्व पृथ्वी दिवस 2023: का इतिहास और महत्व?

पृथ्वी दिवस का विचार सबसे पहले 1969 में यूनेस्को सम्मेलन में शांति कार्यकर्ता जॉन मैककोनेल द्वारा सोचा गया था। इस दिन को मनाने की अवधारणा पृथ्वी का सम्मान करने और उस पर शांति बनाए रखने के लिए थी।

1990 में हेन्स द्वारा वैश्विक पृथ्वी दिवस का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में 140 देशों के 20 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया था। वर्तमान समय में, पृथ्वी दिवस नेटवर्क (ईडीएन) 190 देशों में 20,000 साझेदारों और संगठनों में फैला हुआ है।

इस बीच, दर्जनों देशों में स्वयंसेवकों ने पृथ्वी दिवस 2023 को मनाने के लिए पेड़ लगाने, कचरा साफ करने और सरकारों से जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए और अधिक काम करने का आग्रह किया है, क्योंकि वैज्ञानिकों ने इस वर्ष अधिक चरम मौसम और रिकॉर्ड तापमान की चेतावनी दी है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में कौन सफल और कौन असफल एक महत्वपूर्ण सोच

आज के इस प्रतियोगिता के माहौल में छात्रों और अभिभावकों को यह समझना होगा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी मैं सफलता और असफलता का महत्व क्या है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र जब सफल होते हैं तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं होता लेकिन जब अनेक प्रयासों के बाद भी कोई छात्र प्रतियोगी परीक्षा में असफल होता है तब अभिभावकों को छात्र को आने वाली परेशानियों एवं उसकी मानसिक दशा को को समझना चाहिए तथा उसे आगे सफलता की ओर प्रेरित करना चाहिए ना कि हतोत्साहित । आज यह समझने की आवश्यकता है की प्रतियोगी परीक्षा में सफल होना तथा उस तैयारी के दौर में जो शिक्षा ग्रहण की उसके द्वारा जीवन में सफलता प्राप्त करने में कितनी सहायता मिली। आज जहाँ अनेक युवा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगे रहते हैं। कुछ को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होती हैं तो अनेक असफल भी होते हैं। परंतु क्या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अहम लक्ष्य केवल परीक्षा में सफलता प्राप्त करना ही हैं? क्या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में असफल व्यक्ति सच में उतना ही असफल है जितना उसे समाज की नज़रों में असफल समझा जाता हैं ? अगर वो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में असफल हो गया तो क्या तब भी उसने कुछ प्राप्त किया हैं? इस लेख में इन्ही कुछ प्रश्नों पर चर्चा करेंगे। यहाँ ध्यान देने वाली बात ये है कि यहाँ उन्ही व्यक्तियों के विषय मे चर्चा की जाएगी। जिन्होंने गंभीरता से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की हैं या कर रहे हैं।

आज से कुछ दशकों पहले या एक दशक पहले तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का रुझान केवल उच्च वर्ग या मध्यम शहरी वर्ग तक ही अधिक देखने को मिलता था। परंतु वर्तमान में ग्रामीण परिवेश में निम्न मध्यवर्ग और निम्न वर्ग में भी प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति रुझान बहुत अधिक बढ़ गया हैं। इसके अनेक कारण है जैसे कि अब डिजिटल तकनीक के दौर में जहाँ आज सभी तक उत्तम पाठ्य सामग्री और उत्तम मार्गदर्शन मौजूद हैं। वही आजादी के तीसरी या चौथी पीढ़ी में बड़े लक्ष्य की प्रेरणा का विकास हुआ हैं; तथा ये पीढ़ी अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कुछ भी दाँव पर लगाने को तैयार हैं ।

अब बात करते हैं कि यदि अभ्यर्थी परीक्षा में किसी भी कारणवश सफलता प्राप्त नहीं कर पाता हैं। तो क्या उसने जो समय तैयारी में दिया है या जो संसाधन लगाए है क्या वो सब बर्बाद गए हैं ?

अगर गहनता से इसका विश्लेषण करें तो इसका सही उत्तर समझ सकेंगे । मुझे लगता है कि मैं इन सब प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम हूँ। क्योंकि मैं विगत 15 वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करा रहा हूं और अभी भी उसी यात्रा में हूँ। जिस दिन मैंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने का निर्णय लिया था और आज जब मैं इसमे काफी समय दे चुका हूँ। तो उस दिन और आज के दिन में मैंने क्या महसूस किया?

मैं अपने अनुभव से ये कह सकता हूँ कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की अपनी एक महत्ता है प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के व्यक्तित्व में निम्न परिवर्तन देखने को मिलते हैं।

आशीष भदौरिया, मासाब

1. सबसे पहले तो आप देखोगें कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले व्यक्ति के व्यक्तित्व में अनेक बदलाव आतें हैं। उसका व्यक्तित्व नकारात्मक से सकारात्मक हो जाता हैं। 2. ऐसे व्यक्ति के व्यक्तित्व में एक विशेष परिवर्तन ये आता है कि वो समय के महत्व को अच्छे से समझने लगता हैं। वो अनावश्यक बातों में अपना कीमती समय बर्बाद नहीं करेगा। 3. किसी भी मुद्दे पर चर्चा करते समय वो तथ्यों के साथ अपनी बात रखेगा। वो आधारहीन विषयो पर चर्चा करने से खुद को जितना हो सके, दूर रखेगा। 4. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले व्यक्ति को संविधान , कानून आदि विषय पर जानकारी होगी । ऐसा व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति सजग रहता हैं। 5. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले व्यक्ति समाज मे व्याप्त बुराइयों या समस्याओं पर केवल चर्चा ही नहीं करता बल्कि एक उचित समाधान पर भी विचार करता हैं। 6. ऐसे व्यक्ति में प्रकृति को देखने, उसे समझने, उनके प्रति व्यवहार करने आदि दृष्टिकोण में विशेष बदलाव आता हैं। अर्थात उसमें संवेदनशीलता का विकास । 7. प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों अंधविश्वास विरोधी होते हैं। जिन अंधविश्वासी कार्यो को समाज का एक बड़ा वर्ग आवश्यक समझता हैं। वही ऐसे व्यक्ति अंधविश्वास के खिलाफ एक उत्तम कारण और पर्याप्त तर्क रखते हैं। 8. ऐसे व्यक्तियों को अनेक विषयों का ज्ञान तो होता ही है जैसे एक विज्ञान वर्ग के छात्र को सामाजिक, नागरिक विषयों की भी अच्छी समझ विकसित हो जाती हैं। जो उनके और समाज के विकास में सहायक होती हैं। 9. ऐसे व्यक्ति प्रतियोगी परीक्षाओं की गंभीरता से तैयारी करते हैं । वो परीक्षा में भले ही असफल हो जाएं परंतु अनेक क्षेत्रों में वो बहुत कुछ अच्छा कर सकते हैं या करते भी हैं। 10 . प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों का दृष्टिकोण इतना गहन हो जाता हैं कि वो खुद को भी अच्छे से जानने लगता हैं । वो अपनी कमजोरियों अपनी ताकत को अच्छे से पहचानने लगता हैं। जिससे वो अपनी रुचि के अनुसार जीवन मे कुछ अच्छा जरूर कर सकता हैं। 11 . व्यक्ति के व्यक्तित्व में सजगता सहजता, सवेदनशीलता का विकास होता हैं। 12. विद्यार्थी इतिहास जैसे विषय का अध्ययन कर भारतीय समाज और संस्कृति से भी परिचित होता है। 13. गणित और रिजनिंग जैसे विषय का जब अध्ययन किया जाता है तो उचित निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है। 14. जहां एक और विज्ञान विषय का अध्ययन उसे तकनीकी से जोड़ता है तो वहीं दूसरी ओर भूगोल जैसे विषय उसे कृषि और भौगोलिक स्थिति से जोड़ते है। और जैसा कि हम जानते हैं कि भारत एक कृषि प्रधान देश है तकनीक और कृषि की जानकारी उत्तम कृषि की ओर अग्रसर करती है।

उपरोक्त बातों से ये तो सिद्ध होता है कि किसी भी सफ़र में हम जितना ध्यान मंजिल पर रखते हैं। यदि उससे अधिक ध्यान सफर से प्राप्त होने वाले अनुभवों और शिक्षाओं पर दे, तो मंजिल इतनी मुश्किल नही लगती है, जितनी हम उसे बना देते हैं। अगर हम इस प्रकार से चलेंगे तो मंजिल तो आसान लगेगी ही साथ ही उससे हम अपने व्यक्तित्व का उत्तम विकास भी कर सकते हैं। अतः प्रत्येक सफर को व्यक्तित्व विकास के साधन के रूप में देखते हुए। उससे सहायता लेकर अपने व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक परिवर्तन करने का प्रयास अवश्य करें।

केवल सफलता नहीं असफलता भी हमें बहुत कुछ दे जाती हैं और साथ ही सफलता ग्रहण करना और असफलता को संभालना भी आना चाहिए।

जीवन में जितना महत्व लक्ष्य का होता है , उससे कही अधिक महत्व लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयुक्त संसाधनों का भी होता हैं। अतः जीवन में बेहतर लक्ष्य तो रखे ही साथ ही उन्हें प्राप्त करने के लिए संसाधन भी अच्छे होने चाहिए। जीवन में सफलता और असफलता सफर के दो पहलु है। हमे जिस प्रकार सफलता को ग्रहण करना आना चाहिए। उसी प्रकार असफलता को संभालना भी आना चाहिए। जीवन में सफलता को ग्रहण करना आने से कही अधिक महत्वपूर्ण होता है असफलता को संभालना । जीवन में जब भी सफलता प्राप्त हो तो ये सोचना चाहिए कि कैसे मेरी ये सफलता सामाजिक भलाई के कार्य में प्रयोग हो सकती है। वही असफलता मिले तो ये विश्लेषण करो कि कहाँ अभी कमी रही गयी हैं और कैसे उसे दूर करके अपने व्यक्तित्व का विकास किया जाए। हम असफल होने पर भले ही लक्ष्य तक नहीं पहुंचे हो परन्तु अनुभव प्राप्त करने में बहुत आगे पहुँच चुके होते हैं। इसी अनुभव के आधार पर अन्य लोगो का मार्गदर्शन करके उन्हें सफलता दिलाने में मदद कर सकते हैं ।

जैसा कि स्वामी विवेकानन्द जी ने कहाँ भी है कि प्रयास करो, सफल हुए तो नेतृत्व करोगे और असफल हुए तो मार्गदर्शन करोगे। इन्हीं सभी शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं और आशा करता हूं कि मेरे इस लेख से कई विद्यार्थियों को एवं अभिभावकों को कुछ अच्छा जरूर मिलेगा। अच्छी बातों को ग्रहण करें और बुरी बातों को छोड़ देवें। एक बार पुनः आप सभी का धन्यवाद।

वर्ग पहेली 4982

1	2	3	4	■	5	6	7
8				9	■	10	
11		■	12			■	
	■	■	■		■	■	
13	14	15	16		17	18	■
				■	20		
	■	21		22	■		■
23			■	24			■

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1513 को यशस्वी मुगल सम्राट अकबर ने मध्यप्रदेश के इस पडौसी राज्य को फतह किया था (4)
5. यह लेबनान देश की राजधानी है (3)
8. चुनौती देना, आह्वान करना, बदना (5)
10. तौल की एक प्राचीन इकाई, हृदय, चित्त, जी (2)
11. निकलना, अतीत होना, बिदा होना (2)
12. अभिमुख, सामने उपस्थित (3)
13. अंतर्राष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से पहला शतक लगाने वाला भारतीय क्रिकेटर (1933 में इंग्लेंड के विरूद्ध 118)(7)
19. प्रबल अभिलाषित होना, तीव्र उत्कंठित होना (4)
20. दक्षिण पवन, मलयानिल (3)
21. रचना कर्म, अभिनव सृष्टि (3)
23. परिक्रमणशील (3)
24. सदृश, समान, मिस्ल, उदाहरण (3)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. यह भारत के दो बार कार्यवाहक प्रधानमंत्री रहे (27 मई 1984 से 9 जून 1964 व 11 जनवरी 1966 से 24 जनवरी 1966) (8)
2. दग्ध होना, उष्ण लगना (3)
3. पूर्णमासी (2)
4. दया, करूणा, रहम (3)
6. कमरा को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
7. वेतन, पगार, उजरत (4)
9. मशहूर, प्रसिद्ध, ख्याति प्राप्त (4)
14. मंगल ग्रह इस रंग का बताया गया है (2)
15. इस मुगल सम्राट ने दीन-ए-इलाही धर्म चलाया था (4)
16. मन्नत मानना, फुसलाना (3)
17. उपाधि, इस्म (3)
18. पृथ्वी पर विचरण करने वाली प्राणी (4)
22. अरण्य, जंगल (2)

वर्ग पहेली 4981 का हल

रा	ही	मा	सू	म	र	जा	■
ह	रा	र	त	■	वा	त	ज
त	■	को	■	मौ	न	■	क
इं	सा	नी	■	■	गी	द	ड़
दौ	र	■	आ	ला	प	■	ना
री	ना	रा	य	■	त्र	य	■
■	थ	का	■	जां	■	की	ना
■	■	■	आ	च	म	न	■

अक्षय तृतीया : शरीर को तपाने की यात्रा

ललित गर्ग

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा विशेष महत्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर-दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। यह दिन किसानों के लिए महत्व का दिन हैं, कुंभकारों के लिए बड़े महत्व का दिन है। शिल्पकारों के लिए भी आज बहुत महत्व का दिन है। बैलों के लिए भी बड़े महत्व का दिन है, यह दिन अनबुझा शुभ मुहूर्त का दिन भी है, जिस दिन बिना किसी पंडित को मुहूर्त दिखाये शादियां होती हैं। प्राचीन समय से यह परम्परा रही है कि आज के दिन राजा अपने देश के विशिष्ट किसानों को राज दरबार में आमंत्रित करता था और उन्हें अगले वर्ष बुवाई के लिए विशेष प्रकार के बीज उपहार में देता था। लोगों में यह धारणा प्रचलित थी कि उन बीजों की बुवाई करने वाले किसान के धान्य-कोष्ठक कभी खाली नहीं रहते। यह इसका लौकिक दृष्टिकोण है।

लोकोत्तर दृष्टि से अक्षय तृतीया पर्व का संबंध भगवान ऋषभ के साथ जुड़ा हुआ है। तपस्या हमारी संस्कृति का मूल तत्व है, आधार तत्व है। कहा जाता है कि संसार की जितनी समस्याएं हैं तपस्या से उनका समाधान संभव है। संभवतः इसीलिए लोग विशेष प्रकार की तपस्याएं करते हैं और तपस्या के द्वारा संसार की संपदाओं को हासिल करने का प्रयास करते हैं। जैन धर्म में वर्षीतप यानी एक वर्ष तक तपस्या करने वाले साधक इसदिन से तपस्या प्रारंभ करके इसी दिन सम्पन्न करते हैं।

जैन धर्म में वैशाख शुक्ला तृतीया का दिन ऋषभ के जीवन का एक महत्वपूर्ण पृष्ठ है। उस समय ऋषभ के अभिनिष्क्रमण का एक वर्ष संपन्न हो चुका था, बल्कि पचीस दिन और बीत गए। इस काल में ऋषभ ने न कुछ खाया, न पीया। कई बार उन्होंने भोजन की इच्छा से परिभ्रमण भी किया, पर कुछ नहीं मिला। लंबे समय तक अन्न-जल ग्रहण न करने से उन्हें निराहार रहने का अभ्यास हो गया। अपने श्वासोच्छ्वास के माध्यम से सूर्य की रश्मियों और हवा से उन सब तत्वों को ग्रहण कर लेते, जो उनके शरीर के लिए आवश्यक थे। इस तरह घोर तपस्या करते हुए वे हस्तिनापुर पहुंचे। वहां राजमहल के गवाक्ष में राजकुमार श्रेयांस भगवान ऋषभ को देखा, वे नीचे उतरे और नंगे पांव ही दौड कर उन तक पहुंचे और उनके चरणों में गिर पड़े। श्रेयांस ने भिक्षा की प्रार्थना की। ऋषभ का वह परिव्रजन भिक्षा के लिए ही था, अतः उनकी मौन सहमति प्राप्त हो गई। उस दिन प्रातःकाल ही ताजे इक्षुरस से भरे 108 कुंभ से ऋषभ द्वारा हाथों से बनायी अंजलि में श्रेयांस ने एक-धार इक्षुरस उड़ेलना शुरू किया। इस तरह ऋषभ की तपस्या का पारणा होते ही चारों ओर 'अहोदानम, अहोदानम' की ध्वनियां निनादित होने लगीं। सब लोगों ने श्रेयांस के भाग्य की सराहना की। उस दिन से वैशाख शुक्ला तृतीया का दिन, अक्षय-तृतीया के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इसी की जीवंतता के लिए अक्षय तृतीया से अक्षय तृतीया तक एकान्तर उपवास के अनूठे तप-अनुष्ठान वर्षीतप और उसके पारणे की परम्परा आज भी प्रचलित है। अक्षय तृतीया का दिन एक पवित्र दिन है। ऋषभ ऐसे तीर्थंकर हैं, जिन्होंने समाज के लिए अपना जीवन लगाया और फिर बाद में साधना में भी अपना जीवन खपाया। उनके जीवन में समग्रता है।

ऋषभ का एक अर्थ है-बैल और दूसरा अर्थ है-ऋषभ तीर्थंकर। ऋषभ का जीवन एक समग्र जीवन है। उन्होंने भौतिक जगत का विकास किया, तो अध्यात्म का विकास भी किया। भारतीय संस्कृति में 'आत्मा' को सर्वोपरि सत्य माना जाता है। आत्मा की खोज को एक महत्वपूर्ण खोज माना जाता है। अक्षय तृतीया का पर्व इस खोज का एक माध्यम है। यदि हम गहराई से ऋषभ का अध्ययन करें तो वर्तमान की बहुत सारी समस्याओं का समाधान संभव हो सकता है। क्योंकि उन्होंने सर्वांगीण व्यवस्था का जीवन दिया, इसलिये उनका जीवन 'अहिंसक समाज की व्यवस्था' के प्रथम कर्णधार का जीवन है और उनके जीवन का दूसरा भाग 'आत्मोन्मुखी साधक' की उत्कृष्ट साधना का जीवन है।

भारतीय संस्कृति एवं जीवन दो व्यवस्थाओं में समाहित है। यह भौतिकता एवं आध्यात्मिकता के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। हम केवल पदार्थवादी नहीं हैं, केवल भौतिकवादी नहीं हैं। जीवन की आवश्यकता की पूर्ति में ही दिन-रात लगे रहने वाले कीड़े-मकोड़े भी नहीं हैं, बल्कि जीवन की आवश्यकता को पूरा इसलिए करते हैं कि जिससे मोक्ष की साधना और आत्मोपलब्धि हो सके। हमारा उद्देश्य आत्मा और उसकी पवित्रता तक पहुंचना है।

साधना कौन कर सकता है? अध्यात्म का विकास कौन कर सकता है? वही व्यक्ति कर सकता है, जिसके सामने रोटी का प्रश्न न हो, न कुटुम्ब पालन की कोई चिंता हो। समाज की व्यवस्था अच्छी हो, तभी कोई साधना के क्षेत्र में उतर सकता है। कठिनाई यह है कि हम एक पक्ष को भुला देते हैं। धर्म करो, साधना करो, नैतिकता का अनुपालन करो-इस पक्ष को तो उजागर कर देते हैं, किन्तु उनमें जो बाधक तत्व हैं-उनकी ओर हमारा ध्यान नहीं जाता। अध्यात्म के विकास में चिंतन का यह अधूरापन बहुत बाधक है। अध्यात्म-साधना के क्षेत्र में अधिकतर वे लोग ही आगे बढ़े, जो जीवन में पूर्ण रूप से निश्चिंत हैं। कोरोना महासंकट के समय अक्षय तृतीया का पर्व हमें जीवन के इसी दर्शन से परिचित कराता है।

राष्ट्रीय वित्तीय शिक्षा केंद्र द्वारा वयस्कों के लिए वित्तीय शिक्षा पर कार्यशाला का आयोजन

खालवा। तहसील के दूरस्थ ग्राम - खातेगांव में राष्ट्रीय वित्तीय शिक्षा केंद्र द्वारा मुंबई द्वारा सरपंच हरिलाल धुर्वे के मार्गदर्शन में वयस्कों के लिए वित्तीय शिक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमे राष्ट्रीय वित्तीय शिक्षा केंद्र के ट्रेनर जितेंद्र धुंडे द्वारा ग्रामीणो का वित्तीय शिक्षा का महत्व बताया- एवं बचत एवं निवेश के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। कार्यक्रम में लाड़ली बहना योजना सुकन्या समृद्धी योजना, डाकघर के विभिन्न बचत योजनाओं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान मानधन पेंशन योजना, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना वित्तीय धोखो से कैसे बचा जाये। आदि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में ग्राम के- कैलाश चौहान, रोहित पराते, कमलसिंग चौहान, बाजुलाल पटेल, शामलाल चौहान, संतोष चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यशाला को सफल बनाने में वैभव आखरे एवं आशिष देशभ्रतार का विशेष सहयोग रहा।

कन्या शिक्षा परिसर पवारखेड़ा में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

नर्मदापुरम। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर कन्या शिक्षा परिसर पवारखेड़ा में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें पृथ्वी एवं पर्यावरण से संबंधित रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, बागवानी के लिए श्रमदान एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य उपेंद्र सिंह राठौर, छात्रावास अधीक्षक कनकलाता बड़कुर एवं समस्त स्टाफ तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर में बच्चे सीख रहे पेन, हाथ में पहनने वाली घडी, कड़ा और मोबाइल से आत्मरक्षा करना

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। हनुमान धाम मंदिर में पिछले दो दिनों से चल रहे आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर में बच्चे सीख रहे पेन हाथ में पहनने वाली घडी, कड़ा और मोबाइल से आत्मरक्षा करना। शिविर की प्रशिक्षिका राधिका गौर एवं मोना खरे दोनों ही इंटरनेशनल ब्रोंज मेडलिस्ट है। शिविर का आयोजन इटारसी के प्रतिभाशाली डांस कलाकार रोशन मंडलेकर द्वारा किया जा रहा हैं । गर्मियों की आने वाली छुट्टियां में विद्यार्थी आत्मरक्षा को सीख कर अपने जीवन को सुरक्षित बना सकते हैं।

गरीबी रेखा अंतर्गत बीपीएल कार्ड धारी परिवार को नवीन विद्युत कनेक्शन में रियायत दी जाए :रंजीत सिंह

सारनी। भारतीय जनता पार्टी झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक रंजीत सिंह ने सहायक अधीक्षण अभियंता स. प्र. वि. वि. क. लि. सारनी को पत्र लिखकर गरीबी रेखा अंतर्गत बीपीएल कार्ड धारी परिवार को नवीन विद्युत कनेक्शन में रियायत दी जाने की बात कहीं है। रंजीत सिंह ने बताया की नगर पालिका द्वारा पाथाखेड़ा शोभापुर के विभिन्न वार्डो में नगर वासियों की विद्युत समस्या का समाधान करने के लिए विद्युत विस्तारीकरण कार्य संपन्न किया गया हैं। पूर्व में गरीबी रेखा अंतर्गत बीपीएल कार्ड धारी परिवार को नवीन विद्युत कनेक्शन में रियायत दी जाती थी किन्तु प्राप्त जानकारी अनुसार विद्युत वितरण कंपनी द्वारा गरीबी रेखा के हितग्राहियों को नवीन विद्युत कनेक्शन में किसी भी तरह की रियायत नहीं दी जा रही है। जिस पर सिंह ने सहायक अधीक्षण अभियंता स.प्र.वि. वि. क.लि. सारनी से चर्चा की चर्चा में सहायक अधीक्षण अभियंता प्रमोद वरकड़े ने बताया की गरीबी रेखा के पात्र हितग्राही को 500 वॉट के विद्युत कनेक्शन के लिए 1700 की रशीद 500 का स्टांप 701 रुपैय का मीटर शुल्क व 100 रुपये का स्टांप शपथपत्र नोटरी का खर्च लगता है वही 100 किलोवाट के नवीन विद्युत कनेक्शन के लिए 2861 रुपैय की रशीद 501 का स्टांफ व 701 रुपैये का मीटर चार्ज व 100 रुपया का स्टाप शपथ पत्र नोटरी का खर्चा आता है लेकिन कुछ लोग लोगों को भ्रमित करने का काम कर रहे है जो भी गरीबी रेखा के लिये विद्युत कनेक्शन दिया जा रहा है। वह शासन के गाइडलाइन के अनुसार दिया जा रहा है। बहुत से लोगों ने नए कनेक्शन ले लिया जो लोग भ्रमित कर रहे हैं उनकी बातों में न आकर एमपी पोर्टल में जाकर नए कनेक्शन की जो गाइडलाइन है उसका पालन करें। झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक रंजीत सिंह ने अधीक्षण अभियंता प्रमोद बरकडे से चर्चा की उन्होंने कहा की क्षेत्रों में गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले कई लोग भ्रमित हैं इसके लिए कैंप लगाकर इसकी जानकारी दी जानी चाहिए कई बिचौलिये इसमें अनावश्यक बातें करके लोगों को भ्रमित करने का कार्य कर रहे हैं ।

परशुराम जन्मोत्सव विशेष

भगवान परशुराम ने फरसे से संहार ही नही सृजन भी किया है

इतिहास के पलट चुके पन्नो में प्राचीन वीर महानायकों द्वारा की गई हिंसक घटनाओं के वर्णन तो बहुतायत मिल जाते है, लेकिन उनके हेतु तथा उपरांत में किये गए उन महान कार्यों व विचारों को उस स्तर पर नही दर्शाया जाता, जहाँ से वह पूर्व में घटित घटना की प्रतिपूर्ति करते हुए साम्य स्थापित करले। हमारे कुछ एक संक्षिप्त धर्म साहित्य व भगवत कथावाचक भी आधे-अधूरे प्रसंगों की ही कहानियां बताते है। जिससे निश्चित ही भ्रांतियां फैलती है और साथ ही सामाजिक सुधार की नई क्रांतियां सदा के लिए नजरअंदाज कर दी जाती है। ऐसी ही भ्रान्ति भगवान परशुराम के बारे में भी जग विख्यात है कि उन्होंने फरसे से क्षत्रियों के कुल के कुल संहार दिए थे। जबकि फरसे से संहार ही नही सृजन भी किया है भगवान परशुराम ने।

ओम द्विवेदी

भूयश्च जामदग्न्योऽयम् प्रादुर्भावो महात्मन

हरिवंश पर्व में उल्लेखित उक्त पंक्ति दर्शाती है कि सनातनी वैदिक पुराणों में भगवान परशुराम, श्री हरि विष्णु का छठा अवतार है। ब्राह्मण ऋषि जमदग्नि व माता रेणुका के पुत्र परशुराम ने अधर्म के विध्वंस तथा धर्म के पुर्नस्थापन के लिए भगवान शिव की उपासना से फरसे को प्राप्त कर धारण किया, पश्चात एकांत में पुनः तपस्या लीन हो गए।

शस्त्र व शास्त्र की शक्ति से संपन्न व अतुल्य पराक्रमी होने से उनके स्वाभाविक क्रोध-आक्रोश और पिता की हत्या के बदले पृथ्वी को इक्कीस बार क्षत्रियविहीन करने की आरोपित घटना का खूब प्रचार प्रसार किया जाता रहा है। पिता की आज्ञानुसार अपनी माता का सिर काटने की घटना को भी एक पितृ आज्ञाकारी कठोर पुत्र के रूप में रोचक प्रेरक प्रसंग बनाकर सुनाया जाता रहा है। बस फिर यही से एक बात मन को कसोटती है कि क्यों किसी लोकनायक का केवल हिंसक व मार काट से भरा ही रूप दर्शाया जाता रहा है? क्यों उनकी क्रांति को क्रोध का नकारात्मक परिचायक सिद्ध किया गया? क्या है ह्यव सहस्त्रबाहु की भुजाएं काट देने से क्षत्रियों के शौर्य में कमी हो गयी? इन्ही भ्रांतियों के निरंतर सिंचन ने पारस्परिक वैमनस्य के बीज बो दिए।

परशुराम के समकालीन रामायण और महाभारत काल में संपूर्ण पृथ्वी पर क्षत्रियों का ही राज था, वे ही अधिपति थे। रघुवंशी मर्यादा पुरुषोत्तम राम को वैष्णवी धनुष देने वाले, कौरव नरेश धृतराष्ट को पाण्डवों से संधि सलाह देने वाले और सूत-पुत्र कर्ण को ब्रह्मास्त्र की दीक्षा देने वाले परशुराम ही थे। ये सब क्षत्रिय थे, अतः परशुराम क्षत्रियों के शत्रु नहीं शुभचिंतक थे। परंतु हाँ, परशुराम केवल आततायी क्षत्रियों के प्रबल विरोधी थे। भगवान परशुराम ने पृथ्वी को क्षत्रियविहीन नही वरन एक भूभाग के 21 क्षत्रिय राजाओं को क्षत्र-विहीन किया था, अर्थात उन्हें सत्ता से बेदखल किया था।

युद्ध मे जीत के बाद भी भगवान परशुराम ने सत्ता को स्वीकार नही किया। सत्ता के बाह्य सूत्रधार होकर भारत के ज्यादातर गांव इन्होंने ही बसाये, तथा वास्तविक समाज सुधारक बनकर उन्होंने समाजिक उत्पीड़न झेल रहे पिछड़े, वंचित और विधवा महिलाओं को मुख्यधारा में लाने का उत्कृष्ट कार्य किया। परशुराम ने शूद्र माने जाने वाले दरिद्र नारायणों को शिक्षित व दीक्षित कर उन्हें ब्राह्मण बनाया, यज्ञोपवीत कराया। उस समय जो दुराचारी व आचरणहीन ब्राह्मण थे, उनका सामाजिक बहिष्कार किया। परशुराम और सहस्त्रबाहू अर्जुन के बीच हुए युद्ध में विधवा हुई महिलाओं के सामूहिक पुनर्विवाह करवाये।

हिमालय में फूलों की घाटी मुनस्यारी को बसाने का श्रेय भी परशुराम जी को है। हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और शुभ मानी जाने वाली श्रावणी कांवड़ यात्रा का शुभारंभ परशुराम जी ने सबसे पहले शिवजी को कांवड़ से जल चढ़ाकर किया था। सबसे महत्वपूर्ण अंत्योदय की बुनियाद परशुराम जी ने ही डाली थी। अपनी कर्मभूमि गोमांतक जिसे आज गोआ कहा जाता है, में परशुराम जी ने जनता को रोजगार से जोडने में अंहम भूमिका निभाई। एक ओर केरल, कच्छ, कोंकण और मलबार क्षेत्रों में जहां परशुराम ने समुद्र में डूबी खेती योग्य भूमि को फरसे के प्रहार से निकाल कर फसल युक्त किया, वहीं फरसे के उपयोग से वन-कानन का संवर्धन कर भूमि को कृषि योग्य बनाया। उपजाऊ भूमि तैयार करके धान की पैदावार शुरु कराई। परशुराम ने इसी क्षेत्र में परशु का उपयोग सर्जनात्मक काम के लिए किया। इसी कारण भगवान परशुराम की सर्वाधिक प्रतिमा व मन्दिर इन्ही क्षेत्रों में स्थापित है।

धार्मिक मान्यतानुसार भगवत अवतार किसी एक वर्ग के लिए नही अपितु समस्त मानवजाति के कल्याण के निहित होता है, अतः उन्हें एक विशेष वर्ग का मानकर, उनके अपूर्ण प्रसंगों व आख्यानकों से भ्रांतियां ही व्याप्त होती है। जिन्हें दूर करने हेतु सही रेखांकन आवश्यक है। जिस प्रकार रात के बाद सवेरा, टकराव के बाद लगाव, युद्ध के बाद शांति, मृत्यु के बाद जन्म, निराशा के बाद आशा निश्चित है उसी प्रकार संहार के बाद सर्जन भी...।

कुमार अतुल एंटरटेनमेंट चैनल के बैनर तले बन रही वेब सीरीज पुतला रावण का- पार्ट 2 के लिए शूटिंग जारी

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। वेब सीरीज निर्माण के क्रम में कुमार अतुल एंटरटेनमेंट चैनल द्वारा पुतला रावण का वेब सीरीज बनाई जा रही है एवं जिला नर्मदापुरम में वेब सीरीज शूटिंग का काम लगातार जारी है।

वेब सीरीज की थीम एवं स्टोरी

जिस तरह रावण के 10 सिर होते हैं वैसे ही उसके व्यक्तित्व के 10 चरित्रों को अलग-अलग एपिसोड के माध्यम से बताया गया है जिसमें काम, क्रोध, मद, लोभ, ईर्ष्या आदि शामिल है।

पुतला रावण का एक ऐसी ही वेब सीरीज है जिसमें एक रावण का पुतला बनाने वाले कारीगर के घर एक रात रावण उस पुतले में साक्षात जीवित हो उठता है और जब वह रावण इस कलयुग की बाहरी दुनिया में इंसानी रूप में निकलता है तो उसे अपने स्वयं के चरित्र में समाई हुई समस्त बुराइयां अलग-अलग इंसानों में व्याप्त हुई दिखाई देती हैं और कलयुगी इंसान में व्याप्त इन्हीं बुराइयों को ही इस वेब सीरीज के अलग-अलग एपिसोड में कहानी के माध्यम से फिल्माया गया है।

पार्ट 2 एपिसोड की कहानी : पार्ट 2 का यह एपिसोड रावण के लोभी व्यक्तित्व पर केंद्रित है, जिसमें एक लोभी बिल्डर जबरन एक गरीब व्यक्ति की जमीन हड़पने की कोशिश करता है और अंततः उसे हड़प लेता है वेब सीरीज के पार्ट 2 में लोभी और दबंग बिल्डर की भूमिका मनीष जयसवाल द्वारा अभिनीत की गई है रावण की भूमिका विलियम लॉरेंस द्वारा अभिनीत की गई है।

नर्मदापुरम एवं इटारसी की इन जगहों पर हुई है शूटिंग: पिछले सप्ताह इस वेब सीरीज की शूटिंग इटारसी की ईशान टाउनशिप। नर्मदापुरम के रसूलिया ओवर ब्रिज, हरदा बाईपास रोड और होटल विनायक रेसिडेंसी में शूटिंग की जिसमें इनडोर एवं आउटडोर शूट किए गए। रविवार 23 अप्रैल को इटारसी की ईशान टाउनशिप परिसर मैं एवं खेत वाली माता मंदिर के समीप घाटली रोड पर एपिसोड के क्लाइमेक्स शॉट लिए गए।

इस वेब सीरीज का पहला एपिसोड 4 माह पहले यूट्यूब पर रिलीज हो चुका है जो कि यूट्यूब चैनल कुमार अतुल एंटरटेनमेंट चैनल पर जाकर देखा जा सकता है. इस वेब सीरीज में बनने वाले एपिसोड का कंटेंट काफी अच्छा रखा गया है जो कि दर्शकों को पसंद आ रहा है सेकंड एपिसोड भी काफी अच्छा बन रहा है और इसमें ज्यादातर आउटडोर शूट है और पिक्चराइजेशन भी काफी अच्छा है। कलाकारों के बीच संवाद अदायगी भी काफी अच्छी है उम्मीद है सभी को पसंद आएगा और जो भी वेब सीरीज देखेगा उसका भरपूर मनोरंजन होगा।

यह एपिसोड संभवत मई माह में रिलीज कर दिया जाएगा. विगत दो-तीन वर्षों में यूट्यूब और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली शार्ट मूवी बड़ी संख्या में दर्शकों को पसंद आ रही है समय के साथ लोगों के मनोरंजन के साधन भी बदले हैं।

दूसरे एपिसोड में विलियम लॉरेंस, मनीष जयसवाल, राहुल तिवारी, संजय रैकवार, मुकुल मालवीय, हैरी मामू आदि कलाकारों ने अभिनय किया है।वेब सीरीज के तीसरे एपिसोड के लिए कास्टिंग जारी है जिसके लिए कलाकारों का ऑडिशन लिया जाएगा और शूटिंग भी शीघ्र ही शुरू की जाएगी।

समर्पण ग्रुप की एक और पहल शिक्षा क्षेत्र में

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। 23 अप्रैल दिन रविवार विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर समर्पण ग्रुप द्वारा एक नई पहल प्रारंभ की गई। जिसमें आम नागरिकों ने पुरानी पुस्तकें ग्रुप के सदस्यों को उपलब्ध कराई, जिन्हें समर्पण ग्रुप द्वारा जरूरतमंद छात्रों को को निशुल्क दिया जाएगा। समर्पण ग्रुप को आज श्रीमती जागृति आशीष भदौरिया ने केजी 2 की पुस्तकें एवं लोकेश अधिकारी ने समाजशास्त्र से संबंधित किताबें, समाजशास्त्र के नोट्स एवं फोटोकॉपी कागज की दो रिम, दान की हैं।

समर्पण ग्रुप के संस्थापक आशीष भदौरिया (मासाब) ने बताया कि समर्पण ग्रुप द्वारा आज विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर एक नई मुहिम प्रारंभ की गई है। जिसमें अभिभावकों से अनुरोध है कि वह अपने बच्चों की पुरानी किताबें ग्रुप को उपलब्ध कराएं तथा अगली क्लास की किताबें यदि ग्रुप के पास उपलब्ध है तो वह ग्रुप से निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। समर्पण ग्रुप के सदस्य राजेश (पप्पू) चौधरी ने कहा की किताबें ज्ञान का भंडार हैं। इन्हें व्यर्थ ना जाने दें। आपके द्वारा दी गई किताबें किसी जरूरतमंद छात्र के भविष्य का निर्माण कर सकती हैं। समर्पण ग्रुप के सदस्य गिरधारी चौरे ने कहा कि मैं शिक्षा जगत से 15 वर्षों से जुड़ा हुआ हूं और मैं छात्रों से अपील करता हूं कि यदि आपके पास पुरानी किताबें है तो उन्हें उस क्लास में पहुंचने वाले छात्र-छात्राओं को उपलब्ध अवश्य कराएं। यदि उनके पास कोई ऐसा छात्र ऐसा नहीं है तो समर्पण को उपलब्ध करा दें ताकि उक्त पुस्तक को सही छात्र तक पहुंचाया जा सके। समर्पण ग्रुप के सदस्य अंकित राठौर ने बताया कि यदि कोई नागरिक पुरानी पुस्तकें समर्पण ग्रुप को दान करना चाहता है तो हमें फोन लगाकर संपर्क कर सकता है और समर्पण ग्रुप के सदस्य स्वयं उनके घर से पुस्तकें एकत्रित कर लेंगे। ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। जिसके लिए समर्पण ग्रुप के किसी भी सदस्य को संपर्क कर सकते हैं तथा इन नंबरों पर भी संपर्क किया जा सकता है।

8770678589, 7999623016, 8982701725 इसके अतिरिक्त आज समर्पण ग्रुप के सदस्यों ने नाला मोहल्ला स्थित, आश्रम में सफाई अभियान चलाया। यह ग्रुप निरंतर धार्मिक स्थलों की साफ सफाई पर कार्य कर रहा है। इस अवसर पर आशीष भदौरिया (मासाब), राजेश (पप्पू) चौधरी, अंकित राठौर, गिरधारी चौरे, गुड्डू सराठे, मोहनदास करारे, मनोज बाउस्कर, रामबाबू आदि उपस्थित थे।

आमला सिविल अस्पताल में डॉक्टरों की मांग एवं विभिन्न समस्याओं को लेकर व्यापारी संघ द्वारा बुलाया गया आधा दिन का सांकेतिक बंद सफल रहा

आमला नगर में सबसे ज्यादा रक्तदाता होने के बावजूद आमला सिविल अस्पताल में ब्लड बैंक नहीं

बबलू निरापुरे नर्मदा समय

आमला। आमला नगर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को करोड़ों की लागत से 60 बेड का सिविल अस्पताल तो बना दिया गया परंतु मरीजों, नगर वासियों,ग्रामीण जनों को इसकी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसका मुख्य कारण डॉक्टरों की उपलब्धता नहीं होना है, आमला सिविल अस्पताल में डॉक्टर के 11 पद स्वीकृत है। परंतु एमबीबीएस डॉ. 2 ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं जिसमें से एक डॉक्टर भी अभी अभी ज्वाइन हुए हैं लगभग 5 लाख की आबादी वाली तहसील पर 2 डॉक्टर का होना हास्यास्पद लगता है। ऑपरेशन थिएटर है सामग्री, टेक्नीशियन नहीं है, सिविल सर्जन नहीं है, स्त्री रोग विशेषज्ञ नहीं है।

एनेस्थीसिया स्पेशलिस्ट नहीं है, 5 पद एमबीबीएस डॉक्टर और 4 पद एमडी डॉक्टर के रिक्त है, डिलीवरी हेतु आवश्यक सामग्री नहीं है, ड्रेसिंग मटेरियल आवश्यकता से कम उपलब्ध है, कई मेडिसिन डिमांड पर भी उपलब्ध नहीं, अस्पताल में गार्ड नहीं है ,ड्रेसर नहीं है, सफाई कर्मी के 8 पद स्वीकृत हैं मात्र 5 पदस्थ है ,3 पद रिक्त है। आया के भी 3 पद है जिसमें 1 पदस्थ है 2 रिक्त है,ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों से बात करने पर पता चला कि ठेकेदार पूरा पेमेंट नहीं देता है पीपीएफ एवं सीपीएफ भी नही काटते, स्थिति यह है कि जब कोई गंभीर बीमारी से अथवा छोटी सी बीमारी से पीड़ित होकर मरीज यहां आता है तो उसे बैतूल या नागपुर का रुख बता दिया जाता है, इन सब बातों को देख कर भी जनप्रतिनिधि मौन है, परंतु समस्याओं को देखते हुए प्रगतिशील व्यापारी कल्याण संघ, आमला मेन रोड व्यापारी संघ आमला ,गांधी व्यापारी संघ बोडखी, व्यापारी संघ बोडखी, सराफा मार्केट संघ आमला, द्वारा 21 अप्रैल शुक्रवार को आधे दिन का सांकेतिक सफल बंद रखा गया। जिसमें व्यापारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा ले कर के अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर के विरोध प्रदर्शन किया विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम जनपद चौक पर रखा गया था।

जिसमें व्यापारी बंधुओं ने शांतिपूर्वक अपना आंदोलन रख मंच से अपनी बात जनप्रतिनिधियों तक शासन प्रशासन तक पहुंचाने के लिए अपनी आवाज को बुलंद किया। कार्यक्रम को नगर के सभी व्यापारी संघ अध्यक्ष एवं व्यापारियों ने संबोधित किया गांधी व्यापारी संघ अध्यक्ष बबलू चड्ढा द्वारा अस्पताल में व्याप्त समस्याओं और उन्हें हल करने के लिए हर संभव प्रयास करने की बात कही, मेंन मार्केट व्यापारी संघ अध्यक्ष संजय साहू द्वारा शासन प्रशासन द्वारा एक माह में मांग न माने जाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई, बोडखी व्यापारी संघ अध्यक्ष मोटवानी द्वारा आमजन से इस आंदोलन का हिस्सा बनने की अपील की गई।

प्रगतिशील व्यापारी संघ अध्यक्ष अनिल सोनी द्वारा कहा गया कि अत्यावश्यक सेवा के अंतर्गत आने वाली हमारी स्वास्थ्य सेवा का लाभ भी हम लोगों को नहीं मिल पा रहा। हम आज भी हम आदिकाल में जी रहे हैं। सरकार एवं प्रतिनिधि द्वारा विकास प्रदेश की बात की जाती है और यहां लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं तक नहीं मिल पा रही कार्यक्रम को रविंद्र दवनडे ,देवेंद्र सिंह राजपूत, सुभाष देशमुख, हेमंत गुगनानी, राजू मदान ,खेमचंद मदान जन कल्याण सेवा समिति के राहुल, अमित यादव वरिष्ठ पत्रकार राकेश धामोड़े द्वारा संबोधित किया गया। तहसीलदार आमला लवीना घागरे, आमला थाना प्रभारी सुनील पंद्रे द्वारा धरना स्थल पहुंचकर सभी व्यापारी संघ अध्यक्ष के हाथ से ज्ञापन लिया।

ज्ञापन में शीघ्र ही 2 महिला डॉक्टरों की पदस्थापना, बच्चों के लिए शिशुरोग विशेषज्ञ, सभी रिक्त पदों को भरने, ब्लड डोनेशन में आमला का नाम मध्यप्रदेश में नंबर वन पर है फिर भी यहां ब्लड बैंक नहीं है ब्लड बैंक शीघ्र प्रारंभ करने सहित सभी मांग मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, सांसद महोदय, कलेक्टर महोदय एवं विधायक आमला से की गई है। कार्यक्रम का संचालन सत्यप्रकाश बचले एवं आभार प्रदर्शन यशवंत चढ़ोकार द्वारा किया गया।

अमन चैन की मांगी गई दुआ, अंचल भर में मनाया गया ईद का पर्व

नर्मदा समय/समीर खान

टीकमगढ़। शुक्रवार 21 अप्रैल 2023 को चांद दिखने के बाद 22 अप्रैल 2023 शनिवार के दिन अंचल भर में ईदउल फितर का पर्व बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर क्षेत्र भर में ईद का पर्व मनाया गया। नगर टीकमगढ़ में निर्धारित समय के अनुसार स्थित सभी मस्जिदों में नमाज अदा की गई और देश में अमन चैन सुख समृद्धि एवं शांति की दुआ मागी गई।

उसके पश्चात ईद मिलन समारोह का कार्यक्रम शुरू हुआ जहां राजनीतिक दल एवं सामाजिक संस्थाओं के लोग एवं आमजन ईद मिलने पहुंचे और सभी मुस्लिम भाइयों को ईद की मुबारकबाद दी गई। इस मौके पर एक दूजे के गले मिलकर ईद की बधाई व शुभकामनाएं दी गई और आपसी भाईचारा और प्रेम प्यार बांटा गया। मुस्लिम भाइयों ने ईदउल फितर के पर्व को लेकर काफी खांसी तैयारियां पिछले दिनों से की थी जहां ईद के दिन हंसी खुशी के साथ एवं पर्व की परंपरा अनुसार यह पर्व मनाया गया और एक दूजे को ईद की बधाई और शुभकामनाएं दी गई। उल्लेखनीय है कि अंचल भर में ईद उल फितर का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और पर्व की परंपरा के अनुसार मनाया गया जहां सभी को ईद की मुबारकबाद दी गई।

नपा अध्यक्ष ने दी सभी को ईद की बधाई, सह भोज के साथ हुआ कार्यक्रम

टीकमगढ़। शनिवार के दिन ईद उल फितर के अवसर पर नगर के स्थानीय वृंदावन तालाब झिरकी बगिया मंदिर के समीप स्थित गुरुकुल बीएड कॉलेज में ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन टीकमगढ़ नगरपालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार पप्पू मलिक की ओर से किया गया जहां सहभोज का आयोजन भी किया गया जिसमें भारी संख्या में नगर के वरिष्ठ गणमान्य जनप्रतिनिधि पत्रकार गण एवं आमजन ने पहुंचकर सह भोज में सहभागिता की एवं ईद मिलन समारोह आयोजित किया गया इस मौके पर लोगों ने कार्यक्रम में पहुंचकर सहभोज का आनंद लिया और ईद मिलन समारोह आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से आयोजित हुआ और देर शाम तक चलता रहा।

मीठी ईद पर नमाज पढ़ अमन और चैन की दुआ मांगी

नर्मदा समय/प्रदीप गुप्ता

नर्मदा पुरम। शनिवार सुबह ईदगाह मस्जिद में मुस्लिम समुदाय के बच्चे, युवा, बुजुर्ग ने इकट्ठे होकर देश के लिए अमन चैन की दुआ मांगी। नमाज के बाद एक दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई दी। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों ने भी गले मिलकर सभी को ईद की बधाई दी।

पूर्व मंत्री पहुंचे घुवारा के निज निवास पर द्वितीय पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन किए अर्पित

टीकमगढ़। बुंदेलखंड के लोह पुरुष कहे जाने वाले स्वर्गीय कपूरचंद घुवारा की द्वितीय पुण्यतिथि पर मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री दादा यादवेंद्र सिंह बुंदेला ने अपने सहयोगियों के साथ भूमि पुत्र पवन घुवारा राज महल के समीप उनके निज निवास पर पहुंचकर स्वर्गीय कपूरचंद घुवारा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उन्हें नमन करते हुए बुंदेलखंड में जो उन्होंने संघर्ष समाज हित और विकास को लेकर किए उनको याद किया और कहा कि उनके संघर्षों को भुलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर उनके साथ अरविंद खटीक राजू दांगी सहित स्वर्गीय श्री घुवारा के परिजनों में भूमि पुत्र पवन घुवारा एवं उनके अन्य परिजन भी मौजूद रहे।

बैंक ऑफ इंडिया के सामने से हीरो होंडा स्प्लेंडर चोरी हुई

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। शहर में बाइक चोरों की सक्रियता फिर बढ़ रही हैं ऐसा ही एक बाइक चोरी की वारदात शिवराजपुरी कॉलोनी, पुरानी इटारसी के निवासी राकेश सावले आत्मज श्रवण कुमार सावले के साथ विगत दिनाँक 17 अप्रैल को हुई। जब वह अपनी परी प्रीति बाला सावले के साथ बैंक ऑफ इंडिया शाखा इटारसी में कार्य से गए थे। उन्होंने उनकी गाड़ी हीरो होण्डा स्पलेंण्डर रंग काला जिसका पंजीयन कमांक एमपी 04 एन.डी. 7747 को दिनांक 17.04.2023 समय दोपहर 12 बजे खड़ी करके बैंक के अंदर गए थे। कुछ देर बाद बैंक में कार्य करके बाहर आकर मोटर साइकिल देखी तो उक्त स्थान पर उनकी मोटरसाइकिल गायब थी। वहाँ के अन्य व्यक्तियों से पूछा और छानबीन की तो पता हो नहीं चला। उनको अंदेशा है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने मोटर साइकिल चोरी करके ले गया है। यह वाहन उनके बड़े भाई सुनील सावले के नाम पर है। उनकी आशंका है कि यह किसी चोर गिरोह का कारनामा नहीं हो, यदि उनके वाहन का उपयोग किसी आपराधिक एवं अन्य प्रकरण में उस व्यक्ति द्वारा की जाती है तो उसकी समस्त जवाबदारी चोरी करने वाले व्यक्ति की होगी। उन्होंने पुलिस थाना प्रभारी इटारसी को चोरी गई मोटरसाइकिल के संबंध में आवेदन दिया है जिससे तत्काल कार्रवाई की जा सके।

पत्रकार संघ एवं माँ नर्मदा जल सेवा समिति ने रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को पानी एवं कोल्ड ड्रिंक पिलाया गया

अरुण कश्यप/

बानापुरा। सिवनी मालवा की उपनगरी बानापुरा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ एवं रेलवे प्रबंधक से अनुमति लेकर रेलवे स्टेशन बानापुरा मैं पत्रकार संघ एवं मां नर्मदा सेवा समिति के सदस्यों के द्वारा यात्रियों को ठंडा पानी एवं कोल्ड ड्रिंक पिलाया गया। पत्रकार संघ एवं मां नर्मदा जल सेवा समिति ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत 11 वर्षों से हर आने जाने वाली गाड़ियों पर गर्मियों के मौसम में यात्रियों को पीने का पानी दिया जाता है। दूरदराज से सफर कर रहे यात्रियों को पानी पिलाने का काम किया जाता है। माँ नर्मदा जल सेवा समिति के साथ मिलकर आज पत्रकार संघ सिवनी मालवा ने भी आने जाने वाली गाड़ियों में बैठे यात्रियों को ठंडा जल एवं कोल्ड ड्रिंक पिलाया गया। इस कार्य में मुख्य रूप से नंदकिशोर व्यास ज्योति व्यास, राम शंकर दुबे, शेखर बाथव, राम मोहन राठौर, उमेश गौड, राम शर्मा, आशिक खान, दीपक गायकवाड, राकेश सरेआम, मनोज गनगौरे, शहीद खान मंसूरी, गणेश गौर, शुभम केवट, मुकेश अग्रसेन, राजेश ठाकुर, अंजू पधारिया, राजा नागेश्वर, वरुण चंद्रवंशी, फिरोज खान, अरुण कश्यप, आरपीएफ मनोज गौर एवं समस्त आरपीएफ स्टाफ मौजूद रहा।

अंचल भर में मनाया गया अक्षय तृतीया का पर्व

धूमधाम से मनाई गई भगवान परशुराम की जयंती

टीकमगढ़। शनिवार 22 अप्रैल 2023 को अंचल भर में अक्षय तृतीया का त्योहार पर्व की परंपरा के अनुसार मनाया गया। वहीं भगवान परशुराम का जन्म उत्सव भी बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ विप्र समाज के द्वारा मनाया गया। नगर टीकमगढ़ में नगर के स्थानीय महेंद्र सागर तालाब पर स्थित भगवान परशुराम के मंदिर में सुबह से ही विप्र समाज ने पहुंचकर पूजा अर्चना की और अनेक धार्मिक अनुष्ठान किए गए वहीं शाम के समय नजरबाग मंदिर प्रांगण से एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन नगर के मुख्य मार्गों और मुख्य

चौराहों से बड़े ही गाजे-बाजे के साथ विप्र समाज द्वारा किया गया। जिसमें सपरिवार विप्र समाज ने सम्मिलित होकर बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और भगवान परशुराम का जन्म उत्सव मनाया गया। इस मौके पर समाज ने अनेक धार्मिक कार्यक्रम भी कराए और भगवान परशुराम का जन्म उत्सव मनाया गया।

नाटक महिला प्रधान निर्देशन महिला ने किया अतिथि भी महिला ही रही

नर्मदा समय

टीकमगढ़। पाहुना लोकजन समिति ने, 10 दिवसीय बाल नाट्य कार्यशाला समापन के दिन 22 अप्रैल को बूढ़ी काकी मुंशी प्रेमचंद जी के बाल नाट्य रूपांतरण किया जिसकी मार्गदर्शक संदीप श्रीवास्तव नाटक भी महिला प्रधान चुना गया। ये नाटक कहानी संम्राट मुंशी प्रेम चन्द की कहानी पर आधारित प्रस्तुत किया गया। इस कहानी का नाट्य रूपांतरण संदीप श्रीवास्तव ने किया संदीप ने बताया कि संस्था सतत कई वर्षों से संस्कृति के सम्बर्धन और संरक्षण के लिये कार्य कर रही है।

कई वर्षों से बाल रंग एवं युवाओं के लिये कार्यशालाएं आयोजित कराती आ रही है। जिसके परिणाम स्वरूप ज़िले की कई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मौका मिला है।

आज के कार्यक्रम की विशेषता यह रही की नाटक का निर्देश एक महिला ने किया प्रतिभागी भी महिला बच्ची ही रही और अतिथि भी महिला ही रही जिनके द्वारा कार्यक्रम अतिथि बनकर उन्होंने दीप जला कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अथिति उपभोक्ता फोरम की सदस्य समाज सेविका डॉ प्रीति सिंह परमार और अध्यक्षता डॉ विनीता नाग ने की नाटक में भाग लेने वाले बच्चे फ़िज़ा रँगरेज, प्राची चौरसिया, अंशिका रेकबार, आसमां सिद्दकी, किनाया, खुशबू पटेरिया, वर्षा सेन ,सिवानी सेन, खुशबू घोष खुशी घोष ,सिद्धि नामदेव, रक्षा नामदेव, देवी , प्रिंस ओरादित्य घोष थे। बूढ़ी काकी का किरदार बहू का किरदार कलाकारों ने बेहतरीन निभायाबिरपुरा के बच्चों ने मिट्टी बचाओ पर आधारित नाटक किया इसका निर्देशन किया सुरेंद्र यादव ने।

विश्व पृथ्वी दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया, पृथ्वी हमारी नहीं, हम पृथ्वी के हैं

नर्मदा समय/ प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम। विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में 22 अप्रैल, 2023 को ट्राइडेंट समूह, बुधनी के कर्मचारियों, मधुबन कॉलोनी के निवासियों द्वारा वृक्षारोपण एवं चित्रकला प्रतियोगिता के कार्यक्रम का आयोजन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के पास, मधुबन कॉलोनी में किया गया। इस कार्यक्रम में डीडीयू जीकेवाई के छात्र व छात्राओं ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से ट्राइडेंट समूह ने यह सन्देश देना चाहा कि धरती बचाओ, जीवन बचाओ, और जीवन को खुशहाल बनाओ। इस अवसर पर नितिन मलहोत्रा, संजीव कुमार सिंह, डा. राकेश, नवीन राय, सुनील त्रिपाठी एवं जगदीश सैनी उपस्थित थे।

सरलता और पूरी पारदर्शिता के साथ मिले हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ : अब्दुल गफ्फार पप्पू मलिक

टीकमगढ़। प्रशासनिक उपेक्षाओं और विपरीत सत्ता होने के बाद भी टीकमगढ़ नगरपालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार पप्पू मलिक लगातार जन हितेषी कार्यों को लेकर मेहनत कर रहे हैं और उनका यह लक्ष्य है कि नगरपालिका से मिलने वाली जन हितेषी सुविधाओं और लाभों को जन-जन तक बड़े ही आसानी और सहजता से पहुंचाया जाए और जो भी पात्र जिस योजना के अंतर्गत है उसको उसका लाभ सरलता एवं पूरी पारदर्शिता से मिल सके नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार पप्पू मलिक अपनी क्षमता के अनुसार दिन रात मेहनत कर इस उद्देश्य को लेकर नगर पालिका में काम कर रहे हैं और लोगों को उन तक उनके लाभ पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार पप्पू मलिक ने प्रेस को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि नगरपालिका में अभी तक प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत करीब 3146 नवीन आवेदन प्राप्त हुए हैं जिन्हें सूची सहित कलेक्टर कार्यालय की ओर भेज दिऐ है ताकि समबन्धित जाचं ऐजेन्सी से यह नवीन आवेदनों की जांच कराकर अनुमोदनार्थ सूची प्राप्त होते ही डीपीआर तैयार कियाजजा सके। यह सूची अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण टीकमगढ को भी जावं बाबत भेजी गई है ताकि आगामी समयानुसार शीघ्रातिशीघ्र जनहितार्थ कार्य प्रारम्भ हो सके। इस सूची को भी नगर पालिका अध्यक्ष ने सार्वजनिक किया है।

श्रीमद्भागवत कथा का दूसरा दिन: गलती हो जाए तो प्रायश्चित जरूर करें: पं. राजूल पांडे जी

नर्मदा समय, नवील वर्मा

शाहपुर। ब्लॉक के भयावाड़ी गांव में दशरथ झल्लारे परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन अक्षय तृतीया पर भगवान परसुराम के जन्मोत्सव के बारे में भी बताया। कथा व्यास प. राजूल पांडे ने कहा कि मनुष्य से गलती हो जाना बड़ी बात नहीं, लेकिन ऐसा होने पर समय रहते सुधार और प्रायश्चित जरूरी है, ऐसा नहीं हुआ तो गलती पाप की श्रेणी में आ जाती है।

कथा में कथावाचक ने कहा कि जब लक्ष्मीजी का विवाह होना तय हुआ तो उनके सामने सभी देवों को बिठाया गया और कहा गया कि इनमें से जो भी देवता आपको पसंद है, उनको आप वर माला पहनाएं, इस पर लक्ष्मीजी ने बारी-बारी सभी देवताओं की ओर देखा तथा अंत में जाकर भगवान विष्णु को लक्ष्मीजी ने माला पहनाई और उसके बाद समुद्र मंथन हुआ।

कथाव्यास पा. राजूल पांडे ने बताया अक्षय तृतीया व भगवान परशुराम जयंती का महत्व

कथा के द्वितीय दिवस अक्षय तृतीया एवं परशुराम जयंती के अवसर पर परशुरामजी कथावाचक ने भगवान विष्णु का छठा अवतार के बारे में बताया। भगवान परशुराम की जयंती बैसाख मास के शुक्ल भगवान परशुराम की जयंती दीपोत्सव के रूप में मनाई जाए। हिंदू धर्म में विशेष त्योहारों पर गंगा में स्नान का विशेष महत्व है। इसलिए परशुराम जयंती पर भी गंगा स्नान की परंपरा चली आ रही है। सभी लोगों के लिए गंगा में स्नान कर पाना संभव नहीं होगा, तो वह घर पर ही स्नान के जल में गंगाजल मिलाकर यह पुण्य प्राप्त कर सकते हैं। भगवान परशुराम विष्णु के ऐसे अवतार हैं जिनके बारे में कहा जाता है कि यह चिरंजीवी, हनुमानजी, अश्वत्थामा की तरह सशरीर पृथ्वी पर मौजूद हैं।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-प्रताप सिंह वर्मा के लिए ''दिशागोचर प्रकाशन'', 26बी, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी.नगर, जोन-1 भोपाल से मुद्रित एवं लाइफ लाइन भवन शिवराजपुरी कॉलोनी इटारसी जिला नर्मदापुरम 461111 म.प्र. इटारसी से प्रकाशित किया। नो :- सभी विवादों के लिए न्यायक्षेत्र नर्मदापुरम जिला न्यायालय रहेगा। मोबाइल नं.:-7974372722